RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 मुंबई : शुक्रवार 13 जून 2025 वर्ष 07 अंक 55 संपादक : फैसल शेख पृष्ठ : 4 कीमत : 03 रुपये

दैनिक
रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक

महाराष्ट्र में शराब पर 71% से अधिक टैक्स...

Page - 2

फिर चढ़ा महाराष्ट्र में सियासी पारा

सीएम फडणवीस और राज ठाकरे के बीच हुई बैठक

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र की सियासत में बीते कुछ दिनों से हलचल तेज है. इस जारी हलचल के बीच आज सीएम देवेंद्र फडणवीस और MNS प्रमुख राज ठाकरे के बीच मुलाकात हुई है. दोनों के बीच ये बैठक एक फाइव स्टार होटल में हुई है. दोनों नेताओं के बीच हुई इस बैठक को लेकर चर्चाएं इसलिए भी तेज हैं क्योंकि ये बैठक इटउ चुनाव से ठीक पहले हुआ है. बैठक दौरान दोनों नेताओं के बीच क्या बात हुई, इसे लेकर अभी तक कोई जानकारी नहीं मिल पाई है.

आपको बता दें कि कुछ दिन पहले तक इस तरह की अटकलें लगाई जा रहीं थी कि उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे एक बार फिर साथ आ सकते हैं. एक समय महाराष्ट्र में ठाकरे परिवार का 'अघोषित राज' था. लेकिन अब महाराष्ट्र की राजनीति में ठाकरे परिवार हाशिए पर आ गया है. शिवसेना में दो फाड़ हो चुकी है और उद्धव ठाकरे सत्ता से बाहर हैं. उधर, राज ठाकरे की पार्टी महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना को पिछले कुछ चुनावों में हार का ही सामना करना पड़ा है. ऐसे में दोनों ठाकर बद्रर्स फिर साथ आ सकते हैं, ऐसे संकेत मिल रहे हैं. सड़कों पर उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे के संभावित गठबंधन को लेकर पोस्टर भी नजर आने लगे हैं.

बेसब्री से इंतजार

मुंबई के गिरगांव इलाके में उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे के संभावित गठबंधन को लेकर पोस्टर लगाए गए थे. इन पोस्टरों में बालासाहेब ठाकरे, उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे की तस्वीरें साथ नजर आ रही हैं. ''आम्ही गिरगांवकरह्न नाम से लगे इन पोस्टरों पर लिखा गया है- 'महाराष्ट्र मे परप्रांतीयों के मंसूबे पूरे होने से पहले एक हो जाइए, 8 करोड़ मराठी जनता एक साथ आने के लिए हम बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं.'

माहिम रेलवे स्टेशन पर तीन फुट ओवर ब्रिज इसके बावजूद लोग पार करते हैं रेलवे ट्रैक...

मुंबई : माहिम रेलवे स्टेशन शहर के व्यस्ततम स्टेशनों में से एक है, जहाँ यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कई सुविधाएं मौजूद हैं. स्टेशन पर तीन फुट ओवर ब्रिज हैं जो सभी प्लेटफॉर्म को जोड़ते हैं. इसके अलावा, BMC ने स्टेशन के दोनों ओर पूर्व से पश्चिम दिशा में जाने वाले दो सार्वजनिक पुल भी बनाए हैं. ये बुनियादी ढाँचा यात्रियों की सुरक्षित आवाजाही के लिए पर्याप्त है – लेकिन इसके बावजूद, हर दिन लोग सीधे रेलवे ट्रैक पार करते नजर आते हैं. यह प्रवृत्ति न सिर्फ खतरनाक है, बल्कि यह सवाल भी उठाती है कि आखिर क्यों लोग अपनी जान जोखिम में डालते हैं, जबकि सुरक्षित विकल्प मौजूद हैं?

पटरियों को पार करते समय अक्सर यात्री आने वाली ट्रेनों से बाल-बाल बचते हैं. CCTV फुटेज और स्थानीय रिपोर्टों में यह साफ दिखता है कि यह सिर्फ एक-दो लोगों की बात नहीं, बल्कि बड़ी संख्या में नागरिक इस आदत में शामिल हैं. स्थानीय प्रशासन और रेलवे बार-बार अपील करते रहे हैं कि नागरिक पुलों और ऋ्रड्ड का प्रयोग करें, लेकिन जमीनी हकीकत अलग है. जागरूकता अभियानों के बावजूद लोग नियम तोड़ने से बाज नहीं आते. यह स्थिति केवल नियमों की अनदेखी नहीं है, यह एक गंभीर सामाजिक चुनौती है, जहाँ सुविधाएं होने के बावजूद उनका उपयोग नहीं किया जा रहा. समस्या का हल सिर्फ चेतावनियाँ देना नहीं, बल्कि जनजागरूकता, कड़ी निगरानी और सख़्त प्रवर्तन है. साथ ही, स्कूलों, स्थानीय संगठनों और मीडिया को मिलकर यह संदेश फैलाना होगा कि सुरक्षित विकल्प अपनाना कमजोरी नहीं, समझदारी है.

बोरीवली और दहिसर के बीच रेलवे ट्रैक पर अधेड़ यात्री गंभीर रूप से घायल पाया गया...

मुंबई : पश्चिमी रेलवे लाइन पर बोरीवली और दहिसर स्टेशनों के बीच रेलवे ट्रैक पर एक अधेड़ उम्र का यात्री गंभीर रूप से घायल पाया गया। प्रारंभिक रिपोर्टों से पता चलता है कि व्यक्ति चलती लोकल ट्रेन से गिर गया होगा, हालांकि सटीक कारण की पुष्टि अभी नहीं हुई है। सूत्रों के अनुसार, यह घटना दोपहर करीब 12:20 बजे हुई जब एक मोटरमैन ने घायल व्यक्ति को पटरियों के पास पड़ा देखा और तुरंत रेलवे अधिकारियों को सूचित किया।

रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) और आपातकालीन कर्मचारियों के साथ रेलवे अधिकारी तुरंत मौके पर पहुंचे और घायल व्यक्ति को इलाज के लिए शताब्दी अस्पताल पहुंचाया। पीड़ित की पहचान सलीम वल्ला के रूप में हुई है, जिसकी उम्र 55 से 60 वर्ष के बीच है। उसे बेहोशी की हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया था और डॉक्टर उसकी स्थिति पर नजर रख रहे हैं। उसकी वर्तमान चिकित्सा स्थिति के कारण, उसके घायल होने की परिस्थितियाँ स्पष्ट नहीं हैं।

मुंबई : चार महीनों में 710 किलोग्राम प्रतिबंधित पदार्थ जब्त

मुंबई : पुलिस ने इस साल के चार महीनों में 710 किलोग्राम प्रतिबंधित पदार्थ जब्त किया है और शहर में कथित तौर पर 426 ड्रग मामलों में शामिल 493 लोगों को गिरफ्तार किया है। जब्त किए गए प्रतिबंधित पदार्थ की कुल कीमत 36.74 करोड़ रुपये है। आंकड़ों से पता चला है कि शहर में सबसे ज्यादा जब्त किया गया प्रतिबंधित पदार्थ गांजा है।

आंकड़ों से पता चला है कि पुलिस इस साल 686 किलोग्राम गांजा जब्त करने में सफल रही है। पुलिस द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों के अनुसार, इस साल जनवरी से अप्रैल तक पुलिस ने हेरोइन की जब्ती से संबंधित 21 मामले दर्ज किए हैं, हेरोइन से संबंधित मामलों में 27 लोगों को गिरफ्तार किया है और 1.87 करोड़ रुपये की कीमत का 0.65 किलोग्राम हेरोइन जब्त किया है।

पुलिस ने चरस की जब्ती से संबंधित नौ मामले दर्ज किए हैं, चरस से संबंधित मामलों में 14 लोगों को गिरफ्तार किया है और 4.49 करोड़ रुपये की कीमत का 8.10 किलोग्राम चरस जब्त किया है। पुलिस ने गांजा जब्ती से संबंधित 273 मामले दर्ज किए हैं, गांजा से संबंधित मामलों में 281 लोगों को गिरफ्तार किया है और 1.87 करोड़ रुपये मूल्य का 686 किलोग्राम गांजा जब्त किया है।

कार डिवाइडर से टकरायी; पति, पत्नी बेटी व चालक की मृत्यु...

मुंबई : सिद्धार्थनगर से मुंबई जा रही एक कार झांसी के खिल्ली गांव के पास डिवाइडर से टकरा गयी। इससे कार में सवार पति, पत्नी बेटी व चालक की मृत्यु हो गयी। कार में सवार चार अन्य व्यक्ति घायल हो गए। घायलों का झांसी में ही उपचार चल रहा है। वहां की उनकी स्थिति गंभीर बतायी जा रही है। सदर थाना के ग्राम घुरहूजोत निवासी 36 वर्षीय ओबेदुर्रहमान, 35 वर्षीया पत्नी आसमा, 13 वर्षीया पुत्री हुसना सहित परिवार के अन्य सदस्यों के साथ किसी कार्यक्रम में मुंबई जा रहे थे। गुरुवार की सुबह करीब चार बजे उनकी कार झांसी जिले के खिल्ली गांव में सड़क के डिवाइडर से टकरा गयी।

इससे कार में सवार आसमा, हुसना व चालक आमिर खान सहित आठ व्यक्ति घायल हो गए। उन्हें उपचार के लिए झांसी के एक अस्पताल में ले जाया गया। वहां चिकित्सकों ने आसमा, हुसना व आमिर को मृत घोषित कर दिया।

ठाणे में धोखाधड़ी का बड़ा मामला; 3.7 करोड़ की ठगी का पदार्फाश... 8 के खिलाफ मामला दर्ज

ठाणे : महाराष्ट्र में ठाणे पुलिस ने 78 निवेशकों से करीब 3.7 करोड़ रुपये की ठगी करने के आरोप में एक निवेश कंपनी से जुड़े आठ लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। उक्त निवेश कंपनी ने कुछ साल पहले डोंबिवली क्षेत्र में अपना कार्यालय शुरू किया था और आकर्षक ब्याज दरों का वादा करते हुए विभिन्न निवेश योजनाओं का प्रचार-प्रसार किया। एक अधिकारी ने बताया कि कंपनी के साझेदारों और कर्मचारियों ने लोगों को मोटा मुनाफा दिलाने का झांसा देकर उनसे धन निवेश करवाया।

निवेशकों ने वर्ष 2021 और 2022 के बीच इन योजनाओं में पैसा लगाया। अधिकारी ने बताया, ''आरोपियों ने निवेशकों को प्रमाण पत्र जारी किए, उनके निवेश को स्वीकार किया और आकर्षक लाभ का वादा किया। हालांकि, धन प्राप्त करने के बाद, वे सहमत ब्याज देने में विफल रहे और निवेशकों को मूल राशि भी नहीं लौटाई।''

संपादकीय...

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

राष्ट्रहित पर राजनीति का रवैया...

आपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद वैश्विक मंचों पर अपना पक्ष रखने लिए मोदी सरकार ने सात सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडलों को अलग-अलग देशों में भेजने की जो पहल की, वह अपने मूल उद्देश्य से भी कहीं अधिक सफल साबित हुई है। इन प्रतिनिधिमंडलों में गए सदस्यों ने न केवल पाकिस्तान के असली चेहरे को बेनकाब किया, बल्कि यह भी दशार्या कि आंतरिक स्तर पर कुछ विवादों-विभाजनों के बावजूद भारत मूल रूप से एक है। इन प्रतिनिधिमंडलों ने भारत की समावेशी संस्कृति का एक जीवंत उदाहरण प्रस्तुत किया।

इसकी सबसे प्रभावी अभिव्यक्ति तब देखने को मिली, जब द्रमुक सांसद कनिमोरी के समक्ष स्पेन में भारत की राष्ट्रीय भाषा का सवाल पूछकर उन्हें असहज करने का प्रयास किया गया, लेकिन उन्होंने जिस सहजता से इसका जवाब दिया कि ह्यविविधता में एकताह्ण ही भारत की राष्ट्रीय भाषा है, उससे स्वाभाविक है कि किसी खास मंशा से ऐसा सवाल पूछने वाली की बोलती बंद हो गई। उल्लेखनीय है कि कनिमोरी उस तमिलनाडु राज्य से आती हैं, जहां भाषा विशेषकर हिंदी को लेकर अक्सर विवाद छेड़ दिया जाता है। यहां तक कि उनकी पार्टी अपने संस्थापक अन्नादुरई के दौर से तमिलनाडु पर ह्यहिंदी थोपनेह्ण का शोर मचाती रही है। यह सिलसिला जवाहरलाल नेहरू से लेकर नरेन्द्र मोदी की सरकारों तक कायम है। कनिमोरी ने भाषा को लेकर अपने जवाब से यही रेखांकित किया कि किसी भी सूरत में राष्ट्रहित ही सर्वोपरि होना चाहिए। यह बात अलग है कि जब स्पेन की धरती पर वह भारत की धाक जमा रही थीं तो उसी दौरान उनकी पार्टी के सहयोगी और प्रख्यात अभिनेता-फिल्मकार कमल हासन कन्नड़ भाषा को कमतर बताने और तमिल की श्रेष्ठता जताने का शिगूफा छेड़कर नया विवाद खड़ा करने में लगे थे।

सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडलों में शामिल अन्य पार्टियों के नेताओं ने भी इस मोर्चे पर सराहनीय काम किया। इसमें कांग्रेस के भी कुछ सांसद खास तौर पर शामिल हैं। अपने नेता राहुल गांधी के निरंतर शिकायती लहजे और सामान्य तौर पर नकारात्मक रवैये के बावजूद कांग्रेस सांसदों ने यही दशार्या कि भारत राजनीतिक रूप से भी पूरी तरह से एकजुट है। कांग्रेस के ऐसे सांसदों में शशि थरूर की खूब सराहना हुई। विषय के प्रति अपने विशद ज्ञान एवं उत्कृष्ट संवाद शैली के जरिये उन्होंने अनुकरणीय रूप से भारत का पक्ष रखा। दुनिया भर में प्रतिनिधिमंडल भेजने संबंधी पहल को लेकर थरूर ने मोदी सरकार को भी सराहा।

editor@rokthoklekhani.com
+91 9987775650
Faisal Shaikh @faisalrokthok

ROKTHOK LEKHANI NEWS
KHABREIN BE ROKTOK
Watch Us On YouTube
LIKE SHARE COMMENT SUBSCRIBE
youtube@rokthoklekhani

महाराष्ट्र में शराब पर 71% से अधिक टैक्स

कर्नाटक में है शराब पर सबसे अधिक कर...

मुंबई : महाराष्ट्र देश के उन राज्यों में शामिल हैं, जहां शराब पर टैक्स पहले से ज्यादा है। नई आबकारी नीति में देशी-विदेशी शराब पर टैक्स बढ़ाने से कर की दर 71% से अधिक होने की संभावना है। सरकार ने देशी-विदेशी शराब पर टैक्स जरूर बढ़ाया, लेकिन बीयर और वाइन पर टैक्स नहीं बढ़ाया है। इससे वाइन उत्पादन करने वाली कंपनी सुला वाइनयार्ड्स लिमिटेड को राहत मिली है।

इंटरनेशनल स्पिरिट्स एंड वाइन एसोसिएशन ऑफ इंडिया के अनुसार वर्तमान में कर्नाटक में शराब पर सबसे अधिक 83% कर है। अधिक कर की वजह से कर्नाटक शराब के शौकीनों के लिए सबसे महंगी जगह है। राजस्थान में 69 फीसदी कर है, जबकि तेलंगाना में 68% और उत्तर प्रदेश में 66% कर है। शराब के मामले में गोवा किफायती राज्य बना हुआ है। गोवा में शराब पर 49% टैक्स है। हरियाणा में भी शराब पर 47% टैक्स है, लेकिन वहां शराब का अधिकतम खुदरा मूल्य अधिक है। इस वजह से वहां गोवा के मुकाबले शराब की कीमत अधिक है। देश की राजधानी दिल्ली में शराब पर 62% टैक्स है। दिल्ली में अधिक कर के बावजूद शराब की दरें अन्य राज्यों से कम है।

बीयर, वाइन पर नहीं बढ़ा टैक्स

मंगलवार को हुई कैबिनेट बैठक में महाराष्ट्र सरकार नेभारत निर्मित विदेशी शराब (आईएमएफएल) पर 51%, देशी शराब पर 14% और प्रीमियम शराब पर 25% टैक्स बढ़ाया था, हालांकि बीयर और वाइन पर टैक्स का बोझ नहीं बढ़ाया गया। बीयर में हार्ड लिकर की तुलना में अल्कोहल की मात्रा कम होती है और इसलिए इसे छूट दी गई है। शराब के मामले में राज्य की पॉलिसी का उद्देश्य उद्योग को बढ़ावा देना है।

तेलंगाना में शराब पर सबसे अधिक खर्च

वित्त मंत्रालय के तहत एक स्वायत्त अनुसंधान संस्थान नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक फाइनेंस एंड पॉलिसी के एक अध्ययन के अनुसार तेलंगाना में लोग शराब पर सबसे अधिक पैसे खर्च करते हैं। तेलंगाना में शराब पर प्रति व्यक्ति औसत वार्षिक खर्च 1,623 रुपए है, जबकि दूसरे नंबर पर आंध्र प्रदेश है। वहां प्रति व्यक्ति औसत वार्षिक खर्च 1,306 रुपए है, जबकि पंजाब में 1245, छत्तीसगढ़ में 1227 रुपए प्रति व्यक्ति वार्षिक खर्च है। महाराष्ट्र में शराब पर प्रति व्यक्ति औसत वार्षिक खर्च 346 रुपए है। उत्तर प्रदेश के लोग शराब पर सबसे कम पैसे खर्च करते हैं। वहां प्रति व्यक्ति औसत वार्षिक खर्च केवल 49 रुपए है, जबकि राजस्थान में 140 रुपए, त्रिपुरा में 148, मध्यप्रदेश में 197 और असम में 198 रुपए है।

मुंबई : पहले आकस्मिक मृत्यु...

फिर आत्महत्या के लिए प्रेरित और अब पुलिस ने माना हत्या!

मुंबई : मझगांव इलाके में 53 वर्षीय महिला की रहस्यमयी मौत के मामले ने अब एक नया और चौंकाने वाला मोड़ ले लिया है। पहले जिसे आत्महत्या माना जा रहा था, अब पुलिस ने उसे हत्या का मामला मानते हुए भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के तहत हत्या की धाराएं जोड़ दी हैं। मुख्य आरोपी शोएब इम्तियाज खान उर्फ बॉबडा (27) को न्यायिक हिरासत में भेजा गया है। पुलिस जांच में सामने आया कि मृतका गुलशन, जो उसकी मौसी थी, उसके साथ उसने कथित तौर पर विवाह किया था। जांच में खुलासा हुआ कि यह मौत आत्महत्या नहीं, बल्कि एक पूर्व नियोजित हत्या हो सकती है। शोएब का भाई जैद और उनकी मां रोशन खान भी मामले में सह आरोपी हैं और फिलहाल फरार हैं। पुलिस को मृतका के घर के बाथरूम के दरवाजे और चप्पलों पर खून के धब्बे मिले हैं, जिनके फॉरेंसिक जांच के लिए नमूने एकत्र किए गए हैं। यह मामला पहली बार 16 अप्रैल को मृतका के पति द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के बाद सामने आया था। शुरूआत में इसे आकस्मिक मौत माना गया, बाद में आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज हुआ, लेकिन अब सबूतों के आधार पर हत्या की धाराएं जोड़ी गईं।

बेरोजगार व्यक्ति पर अपनी नर्स पत्नी की हत्या कर आत्महत्या करने का प्रयास... मामला दर्ज

मुंबई : कोपरखैराने पुलिस ने एक 38 वर्षीय बेरोजगार व्यक्ति पर अपनी नर्स पत्नी की कथित तौर पर हत्या करने और फिर अपनी कलाई काटकर आत्महत्या करने का प्रयास करने का मामला दर्ज किया है। घटना कोपरखैराने के सेक्टर-19 में हुई। आरोपी गणेश मारुति शिरसाट ने कथित तौर पर घरेलू विवाद के दौरान अपनी 34 वर्षीय पत्नी गौरी शिरसाट पर चाकू से कई बार वार किया। क्रूर कृत्य करने के बाद, उसने कथित तौर पर अपनी जान लेने का प्रयास किया। बाद में उसे गंभीर रूप से घायल अवस्था में पाया गया और उसे मुंबई के जेजे अस्पताल ले जाया गया, जहाँ उसका इलाज चल रहा है।

दंपति अपने दो बच्चों के साथ जय अम्बे बिल्डिंग में रहते थे। गौरी एक निजी अस्पताल में नर्स के रूप में काम करती थी, जबकि गणेश बेरोजगार था। पुलिस के अनुसार, दंपति के बीच अक्सर विवाद होता था और हालिया बहस हिंसक हो गई, जिसकी परिणति गौरी की हत्या में हुई। अपराध तब प्रकाश में आया जब गौरी की दोस्त वैशाली पाटिल बार-बार कॉल का जवाब न मिलने पर उससे मिलने गई। दोपहर करीब 12:30 बजे घर में घुसने पर उसने गौरी को खून से लथपथ पाया और गणेश उसके बगल में घायल अवस्था में पड़ा था।

गोवंडी इलाके में नाबालिग से छेड़खानी मामले में डॉक्टर गिरफ्तार

मुंबई : मुंबई के गोवंडी इलाके में एक डॉक्टर ने अपने क्लीनिक में मेडिकल चेक-अप के दौरान 16 वर्षीय लड़की के साथ कथित तौर पर छेड़छाड़ की। आरोपी डॉक्टर की पहचान खालिद अंसारी के रूप में हुई है, जो इलाके में डायमंड नर्सिंग होम नाम से एक निजी क्लीनिक चलाता है। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, नाबालिग लड़की इलाज के लिए क्लीनिक गई थी। जांच के दौरान, डॉ. अंसारी ने कथित तौर पर उसकी मजबूरी का फायदा उठाया और मेडिकल प्रक्रियाओं की आड़ में उसके साथ छेड़छाड़ की। उसने लड़की को चेतावनी भी दी कि वह अपनी मां को इस घटना के बारे में न बताए। घटना से परेशान लड़की ने आखिरकार अपने माता-पिता को इस बारे में बताया। जिससे उसे मेडिकल जांच के लिए राजावाड़ी अस्पताल ले जाया गया और जांच के बाद, उसके माता-पिता की सहमति से गोवंडी पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज की गई।

उद्धव के स्पेशल 12 ! मुंबई पर टिकी ठाकरे की उम्मीदें...

आखिरी' लड़ाई के लिए यूबीटी ने कसी कमर

मुंबईः अक्टूबर 2025 में संभावित मुंबई महानगरपालिका (मनपा) सहित महाराष्ट्र के अन्य निकाय चुनाव का बिगुल कभी भी बज सकता है। इसके लिए बीजेपी सहित सभी राजनीतिक दल अपने स्तर पर तैयारी कर रहे हैं। लेकिन सभी की निगाहें मुंबई पर टिकी हैं। क्योंकि स्थानीय निकाय चुनावों में मुंबई मनपा का चुनाव सबसे अहम माना जाता है।

शिवसेना के लिए करो या मरो वाली लड़ाई

मुंबई मनपा देश की सबसे अमीर महानगर पालिका है। ऐसा भी माना जाता है कि देश की आर्थिक राजधानी मुंबई पर राज करनेवाली पार्टी को राज्य सहित देश की राजनीति में प्रभाव जमाने में अवसर मिलता है। पूरे देश की नजरें मुंबई मनपा चुनाव पर लगी हैं। लेकिन मुंबई पर अब तक राज करनेवाली पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे की शिवसेना के लिए ये चुनाव करो या मरो वाली निर्णायक लड़ाई साबित हो सकते हैं। इसलिए उद्धव ने मुंबई मनपा चुनाव की तैयारियों के लिए अपने स्पेशल 12 सिपहसालारों की फौज को तैनात किया है।

मुंबई मनपा के तीन साल से प्रतिक्षित चुनाव खासकर उद्धव के

लिए यह महाराष्ट्र की राजनीति में अस्तित्व बचाए रखने का यह आखिरी मौका साबित हो सकते हैं। क्योंकि एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में शिवसेना में हुई बगावत तथा पार्टी का नाम व चुनाव चिन्ह छिनने के बाद उद्धव को उम्मीद थी कि लोकसभा और विधानसभा चुनाव 2024 में उनकी पार्टी को वोटरों की सहानुभूति मिलेगी। लेकिन उद्धव की पार्टी शिवसेना उद्धव बालासाहेब ठाकरे (यूबीटी) का प्रदर्शन बेहद निराशाजनक रहा था।

हालांकि इन चुनावों राज्य के वोटरों ने उद्धव को निराश किया था। लेकिन मुंबई के वोटरों ने उद्धव को पूरी तरह से नहीं नकारा था। इसलिए खासकर मुंबई मनपा के चुनाव से उद्धव को ढेरों उम्मीदें हैं। लेकिन उद्धव ने इस बार किसी चमत्कार का इंतजार करने की बजाय अब मुंबई मनपा चुनाव में अलग रणनीति के साथ उतरने की योजना बनाई है।

उप नेताओं को अहम जिम्मेदारी

आगामी मुंबई मनपा चुनाव की पृष्ठभूमि में उद्धव बालासाहेब ठाकरे (यूबीटी) पार्टी ने मुंबई में अपने उप नेताओं को विशेष जिम्मेदारी सौंपी है। उद्धव के निवास 'मातोश्री' में हुई बैठकों के बाद मुंबई महानगरपालिका की पृष्ठभूमि में यूबीटी में उप नेताओं को विधानसभा वार जिम्मेदारी बांटने का निर्णय लिया गया। उप नेताओं को निर्वाचन क्षेत्र में जाकर समीक्षा बैठकें करने, पूर्व नगरसेवकों, शाखा प्रमुखों और अन्य पदाधिकारियों से चर्चा करने और जल्द से जल्द रिपोर्ट देने का निर्देश दिया गया है। स्थानीय निकाय चुनाव जमीनी स्तर पर लोगों से पार्टी के जुड़ाव की परीक्षा होते हैं। शाखाओं के माध्यम से लोगों से जुड़ी शिवसेना का मुंबई मनपा चुनावों में पिछली 25 वर्षों से दबदबा देखने को मिला है। फिलहाल शिवसेना टूट कर दो गुटों में बंट गई है।

पानी भरने की हालात से निपटने नालों को चौडा करने की कवायद

55 मिमी पानी ले जाने की क्षमता को 120 करने की जरूरत...

मुंबई : जलवायु के बदलते से अब कुछ ही घंटों में पूरे प्रकोप दिन भर की बारिश हो जा रही है। जिससे मुंबई जैसे सात टापुओं से घिरे में बाढ़ होने का प्रमाण शहर बढ़ता जा रहा है। 26 मई को हुई भारी से मुंबई में आई बाढ़ के बाद को एक बार फिर चौड़ा बारिश नालों करने की कवायद शुरू हो गई है। अब की क्षमता 125 मिमी पानी बहा ले जाने की नालों बारिश के क्षमता का करना है ऐसा निर्णय लिया है जबकि अभी 55 मिमी पानी बहाने की क्षमता इन जा रहा बारिश का नालों की है। उल्लेखनीय है कि 26 जुलाई 2005 में मुंबई में आई प्रलय कारी बाढ़ के बाद मुंबई के नालों को 25 मिमी की क्षमता से बढाकर 55 मिमी क्षमता का करने का निर्णय लिया गया। बीस साल बीत जाने के बाद भी अभी तक यह काम पूरा नहीं हो पाया है। अभी मात्र

90 प्रतिशत काम पूरा हो पाया है। 2005 बाढ़ के बाद गठित चितले कमेटी ने नालों की क्षमता बढ़ कर 55 मिमी प्रति घंटा करने का सुझाव दिया था। मनपा अतिरिक्त आयुक्त अभिजीत बांगर ने बताया कि 26 मई की मुंबई में हुई भारी बारिश की घटना के बाद एक बार फिर नालों को चौड़ा करने की कवायद शुरू हो गई है। उन्होंने कहा कि मुंबई में बारिश का पैटर्न बदल गया है। पिछले 10 वर्षों में बारिश का धनत्व बढ़ता जा रहा है। अब 100 मिमी से लेकर 182 मिमी बारिश एक घंटे में हो रही है। पिछले वर्ष 16 बार एक घंटे 100 मिमी बारिश दर्ज की गई। जबकि चार घंटे 28 बार 182 मिमी बारिश दर्ज हुई। नालों की क्षमता 55 मिमी होने से पानी निकासी की क्षमता बढ़ाने की जरुरत महसूस की जा रही है। उन्होंने कहा कि विशेषज्ञों ने सुझाव दिया है कि पानी निकासी वाले नालों की क्षमता को बढ़ाकर 120 मिमी किया जाना चाहिए। विशेषज्ञों के इस सुझाव पर मनपा नालों की क्षमता बढ़ाने पर विचार कर रही है। उन्होंने कहा कि पहले जिन इलाकों में अधिक जलजमाव हो रहा है वहां के नालों की चौड़ाई बढ़ा कर पानी निकासी की समस्या को दूर करना होगा।

3000 करोड़ रुपये हुई समुद्र के पानी को मीठा करने की लागत...

21 कंपनियों ने दिखाई दिलचस्पी

मुंबईः मालाड के मनोरी में प्रस्तावित समुद्र के पानी को मीठा करने के प्रोजेक्ट की लागत लगभग डेढ़ गुना बढ़ गई है। पहले इस प्रोजेक्ट की अनुमानित लागत 1920 करोड़ रुपये थी, जो अब बढ़ कर 3000-3200 करोड़ रुपये हो गई है। यह जानकारी देते हुए बीएमसी के अडिशनल कमिश्नर अभिजीत बंगार ने बताया कि पिछली बार टेंडर को लेकर विवाद होने पर उसे रद्द कर दिया गया था। 25 मई को दोबारा टेंडर जारी किया गया, जिसके लिए अब तक 21 कंपनियों ने रुचि दिखाई है। इनमें एक कंपनी स्पेन और एक मध्य पूर्व के देश की है। बता दें कि पिछली बार टेंडर में 5 कंपनियां आईं थीं, हालांकि बाद में सिर्फ एक कंपनी रह गई। कांग्रेस ने इस टेंडर में भ्रष्टाचार का आरोप लगाया था, जिसके बाद बीएमसी ने टेंडर रद्द कर दिया था। नए टेंडर की लागत 3000 से 3200 करोड़ रुपये आंकी गई है, जो पिछली अनुमानित लागत 1920 करोड़ रुपये से डेढ़ गुना से अधिक है।

प्रोजेक्ट के तहत क्या होगा ?

बंगार ने बताया कि इस प्रोजेक्ट के तहत टनल बनाई जाएंगी। इसमें दो समुद्र से पानी खींचने के लिए और एक अवशेष जल (नमकीन पानी) को निकालने के लिए बनाई जाएगी। अधिकारी ने बताया कि प्रोजेक्ट के तहत समुद्र के गहरे हिस्से 2-3 किलोमीटर दूर से पानी खींचा जाएगा, जिससे प्रदूषण न हो। यहां बिजली की जगह ग्रीन एनर्जी का उपयोग किया जाएगा। पहले चरण में खारे पानी को शुद्ध करने पर 200 एमएलडी पीने योग्य पानी प्रतिदिन प्राप्त होगा। दूसरे चरण में प्रतिदिन 200 एमएलडी पानी प्राप्त होगा। यानी दोनों चरणों के शुरू होने पर मुंबई को प्रतिदिन 400 एमएलडी पानी मिलेगा।

मुंबई में 31 जुलाई तक नहीं होगी पानी कटौती

अभिजीत बांगर ने कहा कि मुंबई में पानी आपूर्ति करने वाले जलाशयों में 31 जुलाई तक पीने का पानी मौजूद है। तब तक अच्छी बारिश होने की संभावना है, इसलिए इस वर्ष पानी कटौती की कोई योजना नहीं है। वैसे भी बीएमसी अपर वैतरणा और भातसा झील से रिजर्व पानी का इस्तेमाल कर रही है। बता दें कि मुंबई को प्रतिदिन सात झीलों से करीब 4,000 एमएलडी पानी की आपूर्ति की जाती है। मुंबई की आबादी के हिसाब से प्रतिदिन 4,500 एमएलडी पानी की आवश्यकता है। बीएमसी ने वर्ष 2014 के बाद पानी का कोई नया स्रोत नहीं तैयार किया है। वहीं 4,000 एमएलडी पानी में से करीब 30% पानी लीकेज और चोरी के कारण मुंबईकरों तक नहीं पहुंच पाता है। इससे समस्या गंभीर हो गई है, इसलिए बीएमसी समुद्र के पानी को मीठा करने और गारगाई प्रोजेक्ट को आगे बढ़ा रही है, ताकि मुंबई को आवश्यकता के अनुसार पानी आपूर्ति हो सके।

महाराष्ट्र में रेड और ऑरेंज अलर्ट की घोषणा की

मुंबई : भारतीय मौसम विभाग ने महाराष्ट्र में रेड और ऑरेंज अलर्ट की घोषणा की है। गुरुवार, 12 जून को महाराष्ट्र के तट के कोकण क्षेत्र के लिए रेड अलर्ट घोषित किया गया था, जबकि महाराष्ट्र के बाकी हिस्सों को ऑरेंज अलर्ट के तहत रखा गया था। शहर में बादल छाए हुए हैं और पूरा इलाका ढक गया है। IMD ने आज मुंबई में भारी से मध्यम बारिश और गरज के साथ छींटे पड़ने का अनुमान लगाया है। IMD की रिपोर्ट के अनुसार, आज आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहने की संभावना है और मध्यम बारिश या गरज के साथ छींटे पड़ने की संभावना है। तापमान 27 डिग्री सेल्सियस से लेकर 32 डिग्री सेल्सियस तक रहेगा। सुबह 9 बजे, तापमान 29 डिग्री सेल्सियस है, हवा की गति 24 KMPH है, आर्द्रता 79% है और बारिश की 15% संभावना है।

मुंबईः महाराष्ट्र में 10 करोड़ का विशाल वृक्षारोपण अभियान शुरू...

विभागों को हरित लक्ष्य दिए गए

मुंबईः हरियाली को बढ़ावा देने के लिए 22 राज्य विभागों और तीन केंद्रीय प्राधिकरणों को 'हरित महाराष्ट्र, समृद्ध महाराष्ट्र' अभियान के तहत 10 करोड़ पेड़ लगाने के लिए कहा गया है। जुलाई और अगस्त तक वृक्षारोपण का काम पूरा होने की उम्मीद है। हालांकि, पहले लगाए गए पेड़ों के जीवित रहने के प्रतिशत पर सवाल उठ रहे हैं। साथ ही, यह भी

पता नहीं है कि अभियान की घोषणा और उन्हें दिए गए लक्ष्यों से पहले अन्य विभागों से परामर्श किया गया है या नहीं। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस द्वारा हाल ही में दिए गए निदेशों के जवाब में, राजस्व और वन विभागों ने बुधवार को एक आदेश पारित किया, जिसमें अधिकारियों को वृक्षारोपण की जिम्मेदारी लेने के लिए कहा गया। शहतूत के रोपण के लिए कपड़ा विभाग को चार करोड़ पेड़ों का उच्चतम लक्ष्य दिया गया है, जो रेशम के कीड़ों के लिए प्राथमिक भोजन स्रोत है और रेशम के उत्पादन के लिए उपयोग किया जाता है।

मुंबई में अब ऐप से गड्ढों की शिकायत...

बृहन्मुंबई नगर निगम ने पोथोल क्विकफिक्स किया लॉन्च

मुंबई : गड्ढों की शिकायतों और उनके त्वरित समाधान को कारगर बनाने के प्रयास में, बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) ने एक और मोबाइल एप्लिकेशन, पोथोल क्विकफिक्स लॉन्च किया है. यह एप्लिकेशन जून के पहले सप्ताह में लॉन्च किया गया था और अब यह मुंबई के सभी नागरिकों के लिए डाउनलोड के लिए उपलब्ध है.

बीएमसी आम तौर पर सोशल मीडिया और स्थानीय वार्ड कार्यालय के नियंत्रण कक्षों के माध्यम से नागरिकों द्वारा दर्ज की गई गड्ढों की शिकायतों की निगरानी करती है. हालांकि, पिछले कुछ वर्षों में, नागरिक निकाय ने नागरिकों की शिकायतों को कारगर बनाने के प्रयास में अक्सर नए डिजिटल पोर्टल या मोबाइल एप्लिकेशन विकसित किए हैं.

2019 में, बीएमसी ने माई बीएमसी पोथोल फिक्सिट नामक एक डिजिटल पोर्टल लॉन्च किया, जिसका उपयोग नागरिक निकाय द्वारा 2024 के मानसून सीजन के दौरान गड्ढों के बारे में शिकायत दर्ज करने में सक्षम बनाने के लिए भी किया गया था. 2014 में सड़कों की निगरानी के लिए 'एमसीजीएम 247' मोबाइल एप्लीकेशन शुरू की गई थी और 2011 में गड्ढों की शिकायतों के लिए नागरिकों से जुड़ने के लिए 'वॉयस ऑफ सिटिजन' डिजिटल पोर्टल शुरू किया गया था. एक वरिष्ठ नागरिक अधिकारी ने कहा, ''पुराने मोबाइल एप्लीकेशन या डिजिटल पोर्टल पुराने हो जाते हैं, इसलिए उन्हें संबंधित मानसून के दौरान इस्तेमाल करने के बाद हटा दिया जाता है. हमने नागरिकों से उपयोगकर्ता के अनुकूल सुविधाओं के बारे में लगातार फीडबैक भी लिया है और इन्हें योजनाओं में शामिल किया गया है.'' अधिकारी ने कहा कि पोथोल क्विकफिक्स एप्लीकेशन पर शिकायत दर्ज करने के लिए नागरिकों को केवल तीन से चार क्लिक की आवश्यकता होती है. ''पहले के एप्लीकेशन में, नागरिकों को अपनी शिकायतों के साथ अपलोड की गई तस्वीरों का स्थान जोड़ना पड़ता था. इसके विपरीत, इस मोबाइल एप्लीकेशन के माध्यम से, फोटो स्वचालित रूप से अक्षांश और देशांतर के साथ जियो-टैग हो जाएंगे, जिसमें ऐप में लॉग इन करने के लिए इस्तेमाल किए गए मोबाइल फोन का स्थान भी शामिल होगा,'' बीएमसी अधिकारी ने कहा.

शिकायतों को प्रत्येक चुनावी वार्ड में नियुक्त 227 माध्यमिक इंजीनियरों द्वारा ट्रैक किया जाएगा और चौबीसों घंटे उन पर नजर रखी जाएगी. ऐप शिकायतों को बंद करने के लिए पूर्व निर्धारित समयसीमा के साथ खुले कार्यों का वर्कफ़्लो भी प्रदान करता है. नागरिक अपनी शिकायतों की स्थिति को 'खुला', 'प्रगति में' या 'समाधान' के रूप में ट्रैक कर सकेंगे. एक अन्य अधिकारी ने कहा, ''नागरिक 24 घंटे के भीतर शिकायत को फिर से खोल सकते हैं, अगर वे जमीनी स्तर पर समाधान से संतुष्ट नहीं हैं.''

पहले लॉन्च किए गए मोबाइल एप्लिकेशन

2019 में माई बीएमसी पोथोल फिक्सिट
2014 में एमसीजीएम 247
2011 में नागरिकों की आवाज

मुंबई : मरोल शहरी वन और संरक्षण पार्क के लिए कुल अनुमानित लागत 21 करोड़ रुपये

मुंबई : मरोल में 3.5 एकड़ का शहरी वन सफलतापूर्वक बनाने और उसका उद्घाटन करने के बाद, जिसमें सड़कों और उपयोगिता गलियारों के किनारे देशी पेड़, झाड़ियाँ और झाड़ियाँ शामिल हैं, बीएमसी इस परियोजना का विस्तार करने की योजना बना रही है। वर्ल्ड रिसोर्स इंस्टीट्यूट, इंडिया (डब्ल्यूआरआई) ने पहले ही मरोल शहरी वन और संरक्षण पार्क के लिए चरण 2 और 3 के लिए निगम को एक मसौदा योजना प्रस्तुत की है, जिसकी कुल अनुमानित लागत 21 करोड़ रुपये है।

मरोल में शहरी वन के लिए भूमि पार्सल बीएमसी और मरोल कोऑपरेशन इंडस्ट्रियल एस्टेट (एमसीआईई) के स्वामित्व में है। मीठी नदी के किनारे 1 किलोमीटर लंबे शहरी वन का उद्देश्य भूमि की सतह के तापमान को नियंत्रित करना और नदी की बाढ़ को कम करना है। ''हाल ही में डब्ल्यूआरआई इंडिया के साथ एक बैठक हुई। उन्होंने मरोल शहरी वन के अगले चरण के लिए एक मसौदा योजना प्रस्तुत की है। ड्राफ्ट का अध्ययन संबंधित बीएमसी विभागों द्वारा किया जाएगा, जिसमें विकास योजना, उद्यान, पर्यावरण विभाग और अन्य शामिल हैं। सभी हितधारकों से इनपुट के साथ, अंतिम योजना बनाई जाएगी, ''बीएमसी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा। मसौदा योजना के अनुसार, शहरी वन के अगले चरण में वन गिल्ड की परतें होंगी, जिसमें कुल 51,500 पौधे होंगे। वृक्षारोपण में जलीय पौधे, घास, झाड़ियाँ, ऊँचे पेड़, मुकुट वृक्ष, बांस आदि शामिल हैं। सुविधाओं में एक सार्वजनिक प्लाजा, विकलांग आगंतुकों के लिए सेंसर-अनुकूल वातावरण, बहुभाषी साइनेज, शैक्षिक सामग्री और प्रकृति के रास्ते आदि शामिल होंगे।

मुंबई: 16 वर्षीय लड़की के साथ बलात्कार और गर्भवती 17 वर्षीय लड़के के खिलाफ मामला दर्ज

मुंबई: मुलुंड के एक नामी कॉलेज में पढ़ने वाली 16 वर्षीय लड़की के साथ बलात्कार और गर्भवती होने के आरोप के बाद नवघर पुलिस ने 17 वर्षीय लड़के के खिलाफ मामला दर्ज किया है। POCSO अधिनियम और भारतीय न्याय संहिता अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत आरोप दर्ज किए गए हैं।

पुलिस के अनुसार, पीड़िता ठाणे के भिवंडी इलाके में रहती है और मुलुंड के एक कॉलेज में पढ़ती है। आरोपी लड़के ने उससे दोस्ती की और उसे रिश्ते में फंसाया। 1 अप्रैल से 31 मई के बीच, आरोपी लड़के ने मुलुंड ईस्ट के एक बगीचे में और खड़ी गाड़ियों के पीछे लड़की का कथित तौर पर यौन उत्पीड़न किया। नतीजतन, पीड़िता गर्भवती हो गई।

नालों में कचरा फेंकने पर रोक लगाने को जाली का होगा प्रयोग

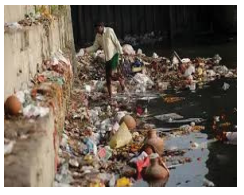

मुंबई : मनपा प्रशासन ने नालों में कचरा फेंके जाने पर रोक लगाने के लिए अब जाली का प्रयोग करने का निर्णय लिया है। मनपा प्रशासन ने शुरूआत में वडाला स्थित डब्ल्यूटीटी नेटवर्क नाला, दादर धारावी नाला और प्रभादेवी के आरसी नाले के किनारे आठ से दस फुट ऊंची जालियां लगाई जाएंगी। इसके लिए जल्द ही निविदा प्रक्रिया शुरू की जाएगी और मानसून के बाद काम शुरू किया जाएगा। इस तरह की जानकारी मनपा अतिरिक्त आयुक्त अभिजीत बांगर ने दी। बता दें कि हर साल मानसून से पहले शहर के बड़े नालों से कीचड़ निकाला जाता है और छोटे नालों की सफाई विभाग स्तर पर होती है। हालांकि सफाई के बाद भी नालों में दोबारा कचरा जमा हो जाता है। खासकर झोपड़पट्टियों और चाल से नालों में कचरा फेंका जाता है। जिससे नाले फिर से जाम हो जाते हैं। इसी समस्या को रोकने के लिए मनपा प्रशासन ने सुरक्षात्मक जालियां लगाने का फैसला लिया है। 2024 की शुरूआत में बांद्रा पश्चिम में एक नाले के पास प्रायोगिक तौर पर दस फुट ऊंची जाली लगाई गई थी। जिसका बड़ा फायदा मिला था। इस सफल प्रयोग को देखते हुए अब तीन और नालों के पास यह परयोः किया जा रहा है। मनपा अतिरिक्त आयुक्त अभिजीत बांगर ने कहा कि इन क्षेत्रों में नालों के किनारे जाली लगाने के लिए निविदाएं जारी की जाएगी और काम मानसून के बाद शुरू होगा।

मुंब्रा रेल हादसे के घायल अब खतरे से बाहर

ठाणे : मुंब्रा रेलवे स्टेशन के पास हुए भीषण रेल हादसे में घायल हुए आठ यात्रियों की हालत अब स्थिर है और सभी का इलाज ठाणे मनपा के छत्रपति शिवाजी महाराज रुग्णालय में जारी है। सोमवार सुबह हुई इस दुर्घटना में चार लोगों की दर्दनाक मौत हो गई थी, जबकि आठ यात्री गंभीर रूप से जख्मी हुए थे। इनमें से तीन घायलों की मंगलवार को हड्डी की जटिल सर्जरी की गई थी, जबकि बुधवार को किसी भी मरीज की सर्जरी आवश्यक नहीं पाई गई। अस्पताल प्रशासन से मिली जानकारी के अनुसार, सभी मरीज अब चिकित्सकीय निगरानी में हैं और खतरे से बाहर हैं। डीन डॉ. राकेश बारोट ने बताया कि मरीजों को जल्द ही छुट्टी दी जा सकती है, लेकिन यह निर्णय पूरी तरह डॉक्टरों की अंतिम सलाह पर आधारित होगा। फिलहाल किसी भी मरीज को अस्पताल से डिस्चार्ज नहीं किया गया है।

मुंबई : लापरवाही से वाहन चलाने के कारण चालक की मौत का मामला दर्ज

मुंबई : विक्रोली पुलिस ने एक अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ लापरवाही से वाहन चलाने के कारण 48 वर्षीय चरणसिंह तेजेंद्रसिंह कुकरेजा की मौत का मामला दर्ज किया है। नालासोपारा के वसंत नगरी निवासी कुकरेजा ईस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे पर अपनी मोटरसाइकिल चला रहे थे, तभी एक अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी।

एफआईआर के अनुसार, कुकरेजा के छोटे भाई, सरबजीतसिंह तेजेंद्रसिंह कुकरेजा, 40, जो मलाड पश्चिम के एवरशाइन नगर के निवासी हैं और एक बीमा कंपनी में कर्मचारी हैं, ने शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने पुलिस को बताया कि उनके बड़े भाई चरणसिंह पिछले 10 सालों से नालासोपारा में अकेले रह रहे थे। पत्नी से अलग होने के बाद, चरणसिंह को मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं होने लगीं और वह अक्सर अकेले घूमते रहते थे।

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिन्टिंग प्रेस, गाला नं.4, एन. के. इंडस्ट्रीयल इस्टेट, प्रवासी इंडस्ट्रीयल इस्टेट के अंदर, गेट नं. 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई- 400063 से छपवाकर रूम नं 15 रमजान बिन 17 सी वंजावडी, माहिम वेस्ट मुंबई :4000 16 से प्रकाशित किया। मोबाइल नं 998777 5650, Email-editor@rokthoklekhaninews.com